# अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर–दिसम्बर 2021

**परीक्षा का नाम : अलंकार पूर्ण (प्रथम प्रश्नपत्र)**

**विषय : कथ्थक**

दि. 30/01/2022 समय : 3 घंटे (सुबह 9 से 12) कुल अंक : 100

सूचना : 1) कुल पाँच प्रश्न हल करे ।
2) सभी प्रश्नों के अंक समान है ।

प्र.1 अ) सही विकल्प चुनें :– (1X10=10)

1. मिश्र जाति में एक मात्रा में कितने भाग होते हैं ?
(1) पाँच (2) सात (3) नौ
2. गणेश ताल में कितनी मात्राएँ होती हैं ?
(1) ग्यारह (2) इक्कीस (3) चौबीस
3. नाट्यशास्त्र अनुसार संयुक्त हस्तमुद्राएँ कितनी है ?
(1) 24 (2) 13 (3) 30
4. आमद् कौनसी लय में प्रस्तुत किया जाता है
(1) विलंबित (2) मध्य (3) आड
5. नाट्यशास्त्र के व्याख्याकार कौन है ?
(1) व्यास (2) अभिनव गुप्त (3) कालिदास
6. कालिका प्रसाद जी कौनसे घराने से है ?
(1) लखनऊ (2) जयपूर (3) बनारस
7. नाट्यशास्त्र के अनुसार दर्शनविधी के कितने प्रकार है ?
(1) दस (2) आठ (3) सात
8. करुण रस का स्थायीभाव कौनसा है ?
(1) उत्कंठा (2) शोक (3) करुणा
9. आयु के अनुसार नायिका भेद कितने प्रकार के है ?
(1) चार (2) छः (3) तीन
10. 'नहीं आये घनश्याम, घेरी आयी बदरी' – यह कौनसे प्रकार की संगीत रचना है ?
(1) ठुमरी (2) कजरी (3) चैती

**ब)** **सही या गलत बताएँ :–** **(1X10=10)**

1. नाट्यशास्त्र में असंयुक्त मुद्रा के 13 प्रकार हैं।
2. बीभत्स रस का स्थायीभाव शोक है।
3. नाट्यशास्त्र में अधर भेद के छः प्रकार हैं।
4. खंडजाति में एक मात्रा में सात भाग होते हैं।
5. ''मैया मोरी, मैं नहीं माखन खायो' – सूरदास की रचना है।
6. नाट्यशास्त्र के अनुसार भृकुटि भेद 7 हैं।
7. कुल पच्चीस व्यभिचारी भाव हैं।
8. अर्जुन ताल में चौबीस मात्राएँ होती हैं।
9. निकास गत विलंबित लय में प्रस्तुत होती है।
10. भाव शब्द की उत्पत्ती 'भव' धातु से हुअी है।

**प्र. 2** **टिप्पणी लिखिये :–** **(20)**

1. नट
2. नर्तक
3. तौर्यत्रिक
4. नर्तन भेद

**प्र. 3** **लिपीबध्द कीजिये :– (कोई 2)** **(20)**

1. झपताल में कमाली चक्रदार परण
2. तीनताल में फर्माइशी चक्रदार परण
3. धमार में नौहक्का

**प्र. 4** **नाट्यशास्त्र के उद्‌गम के बारे में लिखिये।** **(20)**

**प्र. 5** **परिभाषा लिखिये।** **(20)**

1. सात्त्विक भाव
2. आमद्
3. कवित्
4. परमेलू

प्र.6. मंदिरों में नृत्य की प्राचीन परंपरा का वर्णन कीजिये। (20)

प्र.7. कथक नृत्य प्रस्तुती में संरचनाओं के नये प्रयोग और प्रवाह के बारे में अपना मत लिखिये। (20)

प्र.8. आधुनिक रंगमंच प्रस्तुती में तकनीकि ज्ञान की आवश्यकता बताईये :– संगीत संयोजन, प्रकाश सज्जा, नेपथ्य, वेषभूषा (20)

प्र.9. भाव तथा रस का संबंध बताईये; नृत्य में भाव, विभाव, अनुभाव, सात्त्विक भाव तथा संचारी भावों का प्रयोग बताईये। (20)

प्र.10. संत सूरदास की किन्हीं दो काव्य रचनाओं के आधार पर कथक नृत्य के अभिनय प्रकारों को समझाईये। (20)